POSTAL REG. NO. JAIPURCITY/410/2021-23 (RNI.REG.NO 39658/1983) #ग्रा.ग./2023/अंक 10

मासिक प्रेषण दि. 8 अक्टूबर, पी.एस.ओ., आरएमएस गांधी नगर, जयपुर-15

ग्राम गदर

वर्ष 1983 से प्रकाशित

'अक्षत टावर', डी-217, भास्कर मार्ग, बनीपार्क, जयपुर 302016

प्रकाशन की तिथि : 01 अक्टूबर, 2023 मूल्य 50 पैसे

'अंकटाड' के समर्थन से 'कट्स' द्वारा ग्लोबल वेबीनार आयोजित

वैश्विक उपभोक्ता संरक्षण को आगे बढ़ाना महत्वपूर्ण

'अंकटाड' के समर्थन से 'कट्स' इंटरनेशनल द्वारा नई दिल्ली में आयोजित ग्लोबल वेबीनार में व्यापार एवं विकास पर संयुक्त राष्ट्र के संगठन 'अंकटाड' की महासचिव, रेबेका ग्रिनस्पैन ने उपभोक्ता संरक्षण के मुद्दों को वैश्विक मंच पर आगे बढ़ाने और आने वाले समय में जी20 के फोरम पर इसके लिए विशेष बैठकें आयोजित किए जाने की पैरवी की है।

ग्रिनस्पैन ने पुरजोर तरीके से कहा कि आने वाले वर्षों में जी20 की शिखर बैठकों के साथ उपभोक्ता शिखर सम्मेलन भी आयोजित किए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि डिजिटल प्रौद्योगिकी के प्रसार और स्थाई बदलाव जैसी चुनौतियों के व्यापक परिदृश्य में उपभोक्ता संरक्षण की चिंताओं को सक्रिय रूप से देखने और उनका समाधान निकालने की जरूरत है।

इस वेब परिचर्चा में सिविल20 के प्रधान समन्वयक (शेरपा) विजय के नाम्बियार ने जोर देते हुए कहा कि हालांकि उपभोक्ता आर्थिक गतिविधि भूमिका निभाने में महत्वपूर्ण है, लेकिन यह याद रखना भी महत्वपूर्ण है कि इन गतिविधियों का प्राथमिक लक्ष्य जीवन की स्थायी गुणवत्ता की सुरक्षा, रख-रखाव और वृद्धि होना चाहिए। उन्होंने कहा कि ठीक ढंग से काम करने वाले बाजारों में उत्पादकों, व्यापारियों और उपभोक्ताओं के बीच प्रभावी सहयोग चलता रहता है, पर वैश्विक स्तर पर बाजार की असमानताओं और कमजोरियों को देखते हुए मजबूत उपभोक्ता संरक्षण उपायों की आवश्यकता है।

कार्यक्रम के प्रारंभ में 'कट्स' इंटरनेशनल के महामंत्री प्रदीप एस महता ने 1999 में वित्तीय मुद्दों पर चर्चा हेतु मंच के रूप में अपनी स्थापना से लेकर अंतरराष्ट्रीय आर्थिक सहयोग के लिए एक प्रमुख मंच बनने तक जी20 के विकास को रेखांकित किया।

उन्होंने उपभोक्ता संरक्षण की दिशा में ठोस बदलाव की जरूरत पर जोर देते हुए कहा कि इस विषय में हालांकि जी20 के ढांचे के भीतर चर्चा की गई है लेकिन वैश्विक परिस्थितियों में उतार-चढ़ाव के कारण इस पर ध्यान कम हो गया है। उन्होंने भारत के बाद अगले वर्ष ब्राजील में होने वाले जी20 शिखर सम्मेलन के एजेंडे में उपभोक्ता संरक्षण को बहाल करने पर बल दिया।

ब्राजीलिया उपभोक्ता संरक्षण संस्थान (आईडीईसी) में अंतरराष्ट्रीय संबंधों के निदेशक इगोर रोड्रिग्स ब्रिटो ने कहा कि ब्राजील में अगले जी20 शिखर सम्मेलन में उपभोक्ता संरक्षण के लिए एकजुट होने पर उपभोक्ता संगठनों की सामूहिक आवाज गूंजेगी। परिचर्चा में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के संस्थानों के अनेक वक्ताओं ने सक्रिय रूप से भाग लिया और कहा कि वैश्विक स्तर पर बाजार की असमानताओं को देखते हुए उपभोक्ता संरक्षण का मुद्दा महत्वपूर्ण है।

आपके नाम चिट्ठी

जयपुर से जोग लिखी प्रदीप महता का सबको राम-राम/सलाम! मुझे प्रसन्नता है कि उपभोक्ता आंदोलन को जी20 में हमारे अभियान को शीर्ष प्राथमिकता देकर 27 अगस्त को दिल्ली में आयोजित बी20 के समापन सत्र में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा समर्थन दिया गया है। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि क्या दुनियाभर के सारे व्यवसाय मिलकर साल का कोई ऐसा दिन तय कर सकते हैं जिसे उपभोक्ता को समर्पित किया जा सके। हम उपभोक्ता अधिकारों की बात करते हैं और 'विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस' पूरी दुनिया में मनाया भी जाता है।

उन्होंने कहा कि हम इस चक्र को बदलकर, बजाय इसके कंज्यूमर केयर की बात करने का नेतृत्व ले सकते हैं। अगर व्यवसायी उपभोक्ता के हितों का खयाल रखेंगे तो उसके अधिकार भी संरक्षित होंगे। इससे व्यवसाय और उपभोक्ता के बीच विश्वास को और अधिक सशक्त बनाने में मदद मिलेगी। उन्होंने दुनिया के बड़े बिजनेस लीडर्स का आह्वान किया कि सभी साथी मिलकर प्रस्तावित 'अंतरराष्ट्रीय उपभोक्ता देखभाल दिवस' पर सोचिए और विचार कीजिए। हमारे सामने और बड़े सवाल भी हैं, उनके उत्तर से व्यवसाय और मानवता का भविष्य तय होगा।

इससे मुझे लग रहा है कि हमारे प्रयास रंग ला रहे है। (ग्राम गदर के जून 2023 और इस अंक का अवलोकन करें)। मेरा मानना है कि प्रधानमंत्री के उक्त संबोधन से जी20 के प्लेटफार्म पर उपभोक्ता संरक्षण को उच्च प्राथमिकता मिलेगी साथ ही भारत के बाद वर्ष 2024 में ब्राजील में आयोजित होने वाले जी20 के एजेंडे में उपभोक्ता संरक्षण को केंद्र में रखकर आगे भी प्रासंगिकता बनी रहेगी।

जी20 शिखर सम्मेलन विश्व कल्याण की कामना के साथ संपन्न

भारत की अध्यक्षता में आयोजित जी20 शिखर सम्मेलन 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की भावना के साथ संपूर्ण विश्व में आशा और शांति का संचार व सभी के कल्याण की कामना के साथ संपन्न हो गया। दुनियाभर में भारत की भूमिका को बेहद सफल माना जा रहा है। इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है कि तैयार संयुक्त घोषणा-पत्र के प्रत्येक पैराग्राफ पर सभी ने अपनी 100 प्रतिशत सहमति जताई।

राजधानी दिल्ली में 9 एवं 10 सितम्बर को हुए समिट में अमेरिका से लेकर फ्रांस तथा कनाडा से लेकर जापान तक तमाम देश शामिल हुए और भारत के प्रस्तावों को एक मत के साथ अपनी रजामंदी दी। इंडिया, मिडिल ईस्ट-यूरोप इकोनॉमिक कॉरिडोर डील, अफ्रीकी यूनियन को जी 20 में नए स्थायी सदस्य के रूप में शामिल करने और रूस-यूक्रेन युद्ध को साधते हुए सर्वसम्मति बनाना सबसे बड़ी कामयाबी मानी जा रही है। भारत की महत्वपूर्ण सफलता और अपनी कूटनीति का लोहा मनवाते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ब्राजील के राष्ट्रपति लूला डी सिल्वा को प्रेसिडेंसी गेवल (कमान) सौंपते हुए उम्मीद जताई कि अगले साल ब्राजील के नेतृत्व में जी20 साझा लक्ष्यों को आगे बढ़ाएगा।

बुकिंग के बाद भी नहीं रुकवाया लोहागढ़ फोर्ट रिसोर्ट के ट्री हाउस में

जिला उपभोक्ता आयोग जयपुर-तृतीय ने बुकिंग कंफर्म होने के बाद भी परिवादी की विदेश से आई मंगेतर को लोहागढ़ फोर्ट रिसोर्ट के ट्री हाउस में नहीं रुकवाने को अनफेयर ट्रेड प्रैक्टिस करार देते हुए मेक माई ट्रिप इंडिया पर तीन लाख रुपए का हर्जाना लगाया है। साथ ही लोहागढ़ फोर्ट रिसोर्ट, कूकस, जयपुर को निर्देश दिया है कि वह परिवादी से ट्री हाउस की बुकिंग के तौर पर लिए 7855 रुपए परिवाद दायर करने की तारीख 15 मई 2016 से मय नौ फीसदी ब्याज सहित दें।

मामले के अनुसार परिवादी अंकित कुमार चटर्जी नियत तारीख को अपनी मंगेतर के साथ लोहागढ़ फोर्ट रिसोर्ट पहुंचे तो वहां के मैनेजर शाकिब खान ने बताया कि ट्री हाउस सही हालत में नहीं है और उसने उन्हें अच्छा रूम देने की बात कही। पोर्टल पर इस रूम का किराया कम था। परिवादी को ना चाहते हुए भी वहां रुकना पड़ा। बाद में उन्होंने बाकी राशि मांगी तो वह भी उन्हें नहीं दी गई। उपभोक्ता आयोग ने मामले की सुनवाई पर पाया कि परिवादी की मंगेतर बड़ी मुश्किल से छुट्टी और वीजा लेकर ट्री हाउस में रुकने का सपना लेकर आई थी, लेकिन विपक्षी के सेवा दोष के चलते वह बिना ट्री हाउस में रुके ही वापस चली गई, इससे परिवादी को मानसिक संताप पहुंचा है।

उद्यमिता में बढ़ रही महिलाओं की रुचि

प्रदेश में महिलाएं अब उद्यमिता के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रही हैं। उनका सूक्ष्म, लघु व मध्यम उद्योगों (एमएसएमई) में स्वामित्व बढ़ रहा है। प्रदेश में वर्ष 2021-22 में महिला स्वामित्व वाले 29500 एमएसएमई उद्योग थे जो वर्ष 2022-23 में बढ़कर 69,259 हो गए हैं।

यह सामने आ रहा है कि कोरोना काल के बाद से महिलाओं के कदम इस क्षेत्र में तेजी से बढ़े हैं। खासतौर पर बड़े शहरों के साथ ही गांवों से भी महिलाएं उद्यमी के तौर पर आगे बढ़कर इस क्षेत्र में अपना परचम फहरा रही हैं। पूरे देश में राजस्थान इस मामले में सातवें स्थान पर हैं। महिला स्वामित्व वाले एमएसएमई में देश में पहला नंबर महाराष्ट्र का है। जहां पिछले साल इस क्षेत्र में 2.65 लाख महिलाएं काम कर रहीं थी। इसके बाद तमिलनाडु, उत्तरप्रदेश क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर है।

भारत के प्रस्ताव पर जी20 हुआ 'जी21'

भारत ने जी20 शिखर सम्मेलन में अफ्रीकी यूनियन को स्थायी सदस्य के रूप में जोड़कर दुनिया को 'जी21' का शगुन दिया है। हमारे देश में मानते हैं कि किसी भी अंक के अंत में जीरो आए तो वह अंतिम हो जाता है। इसलिए उसमें एक जोड़ना शुभ मानते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'हमें उम्मीद है कि इस प्रस्ताव में हर देश की सहमति है। अब जी20, जी21 के नाम से जाना जाएगा।' यह सफलता इसलिए भी बढ़ी है, क्योंकि 3 महीने पहले ही मोदी ने इसकी पहल की थी। 55 सदस्यों वाले अफ्रीकी यूनियन की कुल जीडीपी करीब 250 लाख करोड़ रुपए और आबादी 140 करोड़ है।

फसल खराब तो देना होगा मुआवजा

राष्ट्रीय उपभोक्ता आयोग ने कहा है कि अगर कोई कंपनी, दुकानदार या अन्य किसी विभाग द्वारा किसान को ऐसे बीज दिए जाते हैं, जो घटिया थे। उनसे अगर किसान की फसल खराब होती है तो ऐसे मामलों में किसान को फसल खराबे का मुआवजा पाने का अधिकार बनता है।

राष्ट्रीय उपभोक्ता आयोग के जस्टिस ए.पी. शाही ने कहा कि किसान को खराब बीज बेचने वाले की यह जवाबदेही बनती है कि वह उपभोक्ता संरक्षण कानून के तहत किसान को इससे हुए नुकसान की भरपाई करें। इसके लिए दोषी कंपनी एवं दुकानदार बाध्य हैं।

बदलावों को आगे बढ़ाएगा ब्राजील

भारत में आयोजित जी20 बैठक में वर्ल्ड ऑर्डर में जिस बदलाव की शुरुआत हुई, ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इंसियो लूला डी सिल्वा ने अगले जी20 सम्मेलन में उसी बदलाव को आगे बढ़ाने की बात कही है। लूला ने तीन बदलावों में बहुपक्षीय संस्थानों जैसे यूएन, विश्व बैंक में सुधार और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में नए सदस्य देशों को जगह दिए जाने पर जोर दिया है। गौरतलब है भारत भी इस मांग को प्रमुखता से उठाता रहा है।

उन्होंने कहा कि जी20 की अगली बैठक में एनर्जी ट्रांजिशन (रिन्यूबेल एनर्जी पर निर्भरता बढ़ाना) और असमानता पर प्रमुखता से चर्चा की जाएगी। भारत के भव्य आयोजन पर मुग्ध होते हुए कहा कि उन्हें भरोसा है कि ब्राजील निश्चित रूप से भारत की तरह शानदार और विशाल आयोजन करने में सक्षम है।

भारत-सऊदी अरब के बीच दोस्ती

जी20 शिखर सम्मेलन के समापन के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान की द्विपक्षीय बैठक के दौरान मोदी ने कहा, भारत और सऊदी अरब के बीच दोस्ती क्षेत्रीय, वैश्विक स्थिरता और कल्याण के लिए महत्वपूर्ण है।

मोहम्मद बिन सलमान ने भारत की तारीफ करते हुए कहा कि जी20 सम्मेलन काफी अच्छा रहा। जी20 में की गई घोषणाओं से दुनिया को फायदा होगा। हम दोनों देशों के महान भविष्य के लिए मिलकर काम करेंगे। द्विपक्षीय बैठक में दोनों पक्षों ने डिजिटलीकरण और निवेश सहित विभिन्न क्षेत्रों में आठ समझौतों पर हस्ताक्षर भी किए।

चुनौतियों के लिए कंपनियां बनाएंगी फंड

बी20 के सालाना शिखर सम्मेलन में बिजनेस लीडर्स ने एक विशेष फंड बनाने की पेशकश की है। इसमें हर कंपनी को अपने मुनाफे का 0.2 फीसदी देना होगा। इसका इस्तेमाल सतत् विकास लक्ष्य हासिल करने में किया जाएगा। यह प्रस्ताव टाटा सन्स के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने दिया।

संयुक्त राष्ट्र ने भी अपनी एसडीजी रिपोर्ट में कहा है कि दुनिया के देश महज एक तिहाई गोल्स तक सीमित हो गए हैं। कुछ जरूरी लक्ष्यों जैसे गरीबी, भुखमरी और जलवायु परिवर्तन पर काम अब तक संतोषजनक नहीं रहा है। सम्मेलन में कोटक महिंद्रा बैंक लिमिटेड के सीईओ उदय कोटक ने कहा कि यह फंड जलवायु परिवर्तन, ऊर्जा परिवर्तन और जैव विविधता जैसे क्षेत्रों में भी उपयोग किया जाएगा। सम्मेलन में दुनियाभर के 1400 से ज्यादा बिजनेस लीडर्स ने 54 विषयों पर प्रस्ताव बनाया है।

रंग लाई लहरी बाई की कड़ी मेहनत

लहरी बाई मध्यप्रदेश के डिंडोरी जिले के सिलपिड़ी गांव की आदिवासी महिला किसान है। उनकी उम्र अभी 27 वर्ष है और वह श्री अन्न व पारंपरिक बीजों के संरक्षण में जुटी हैं। छोटी उम्र से ही उन्होंने कड़ी मेहनत कर मिलेट (मोटा अनाज) के विभिन्न प्रजाति के बीजों का संरक्षण का काम शुरू कर दिया था।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और संयुक्त राष्ट्र में भी इस आदिवासी महिला किसान को मान-सम्मान मिला है। लहरी बाई अनुभव से बताती है कि उन्होंने किशोरावस्था से ही मिलेट के बीजों का संरक्षण चालू कर दिया था। शुरू में बेगा आदिवासी समुदाय के लोग उनका काफी मजाक उड़ाते थे। वह इससे विचलित नहीं हुई और वह काम कर दिखाया जो बड़े-बड़े किसान नहीं कर पाए।

लहरी बाई ने अनाज के बीजों की 150 से ज्यादा किस्मों को संरक्षित कर खुद का देशी बीज बैंक बना लिया है। वह ग्रामीणों को श्री अन्न एवं पारंपरिक फसलों की विलुप्त होती प्रजातियों के पोषक महत्व को समझाते हुए उनके संरक्षण के लिए प्रेरित कर रही हैं, साथ ही इनकी खेती को बढ़ावा भी दे रही है।

प्रदीप एस. महता बी.डब्लू. सोशल इम्पैक्ट अवार्ड से सम्मानित

नई दिल्ली में आयोजित एक समारोह में 'कट्स' के महामंत्री प्रदीप एस. महता को प्रतिष्ठित बी.डब्लू. सोशल इम्पैक्ट अवार्ड 2023 से सम्मानित किया गया।

यह पुरस्कार राष्ट्रीय और अंतराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट योगदान, समाज में सकारात्मक बदलाव लाने और सामाजिक आवश्यकताओं का समाधान करने जैसे कार्यों में सक्रिय रूप से भाग लेकर समाज के भीतर सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए उनके समर्पण को मान्यता देता है।

इस मौके पर उन्होंने संगठन के अभियान 'इनोवेटिव फाइनेंस फॉर क्लाइमेट प्लेनेट' पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया जलवायु परिवर्तन और जैव विविधता से होने वाले नुकसान के हानिकारक प्रभावों को कम करने के उद्देश्य से एक बड़ा कोष स्थापित करने की पहल की गई है। ऐसा करके हम मानवता के लिए बेहतर भविष्य सुरक्षित कर सकते हैं।

कम्पोजिंग एवं लेआउट राजकुमार त्रिवेदी, 'कट्स' जयपुर

सम्पादक, प्रकाशक एवं मुद्रक स्वत्वाधिकारी प्रदीप एस महता के लिए भालोटिया प्रिन्टर्स, जयपुर से प्रकाशित। 'अक्षत टावर', डी-217, भास्कर मार्ग, बनीपार्क, जयपुर 302016 फोनः 228 2821 से 23 फैक्सः 0141-228 2485